THE INSTITUTE OF
Company Secretaries Of India
भारतीय कम्पनी सचिव संस्थान
IN PURSUIT OF PROFESSIONAL EXCELLENCE
Statutory body under an Act of Parliament
(Under the jurisdiction of Ministry of Corporate Affairs)

GHAZIABAD CHAPTER OF NIRC OF ICSI & MAHARISHI LAW SCHOOL

INVITES YOU FOR

MOU SIGNING CEREMONY FOR ACADEMIC COLLABORATION

BETWEEN

ICSI & MAHARISHI UNIVERSITY OF INFORMATION TECHNOLOGY, NOIDA

MAHARISHI LAW SCHOOL, MAHARISHI NAGAR, SEC.-110, NOIDA (U.P.) - 201304

महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ने द्विपक्षीय शैक्षणिक समझौता पत्र हस्ताक्षर महोत्सव का किया आयोजन

जनसागर टुडे संवाददाता

गाजियाबाद। हस्ताक्षर उत्सव पर भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के प्रेसिडेंट सीएस नागेंद्र डी राव और महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) अखण्ड प्रताप सिंह ने एक दूसरे को द्विपक्षीय शैक्षणिक समझौता की प्रतियाँ हस्तनांतरित किये।

इस अवसर पर भारतीय कंपनी सचिव संस्थान के संयुक्त सचिव ए के श्रीवास्तव और गाज़ियाबाद चैप्टर ऑफ एन आई आर सी ऑफ आई सी एस आई की अध्यक्षा सीएस सोनल जैन और सीएस साक्षी मित्तल, सीएस अर्जुन त्यागी, एडवोकेट अवनीश श्रीवास्तव भी शामिल हुए। और महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी की तरफ से कुलाधिपति बी पी सिंग, दीन (प्रो) डॉ. के बी अस्थाना, अजयप्रकाश श्रीवास्तव भी शामिल हुए। अपने संबोधन में महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी के रजिस्ट्रार, प्रो.(डॉ.) अखण्ड प्रताप सिंह, ने कहा की प्रबंधक के विद्यार्थी के लिए कंपनी संजीव के क्षेत्र में नौकरी एव रोजगार के वर्तमन संभावित अवसरों को ध्यान में रखते हुए महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी तथा भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्विपक्षीय शैक्षणिक ने समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किये है।

डॉ. अखण्ड प्रताप सिंह ने बताया कि वर्तमान परिवेश में वाणिज्य एंव प्रबंधक के विद्यार्थी कंपनी सचिव कोर्स के प्रति बढ़ते रुझान के द्रष्टिगत यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी तथा भारतीय कंपनी सचिव संस्थान की यह पहल मील का पत्थर साबित होगा उन्होंने कहा कि मयूआईटी सदैव रोजगारोन्मुख शिक्षा को बढ़ावा देने का काम करती रहे है।

इस नए आयाम के स्थापना से छात्र- छात्राओं को कंपनी सचिव से संभधित रोजगार के अवसरो के बारे में अवगत कराया जायेगा ताकि उनका भविष्य उज्वल हो सके।